भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 641

जिसका उत्तर दिनांक 08.02.2024 को दिया जाना है

स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में तेजी लाने के लिए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के लिए रास्ते खोलना

641 # श्रीमती कान्ता कर्दम :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि परमाणु ऊर्जा वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है और कार्बन मुक्त भविष्य की ओर बढ़ने के लिए एक प्रमुख स्तंभ रही है, और हाल ही के वर्षों में, इसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसमें बुनियादी ढांचे की उच्च लागत और अधिक विस्तारित निर्माण अवधि भी शामिल है जो विकास को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना रही है; और

(ख) यदि हां, तो स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के लिए रास्ते खोलने हेतु सरकार द्वारा प्रस्तावित पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) व (ख) नाभिकीय ऊर्जा के उपयोग की एक कार्यनीति पर पूरे विश्व में जोर दिया जा रहा है जो आगामी वर्षों में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम कर सके। नाभिकीय ऊर्जा को बिजली उत्पादन के लिए सर्वाधिक विश्वसनीय स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों में से एक माना जाता है। देश भर में लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) की स्थापना, विशेष रूप से ऐसे स्थानों पर जहां बड़े नाभिकीय संयंत्र उपयुक्त नहीं है, बड़ी मात्रा में निम्न-कार्बन बिजली का उत्पादन कर सकती है। जीवाश्म ईंधन की खपत से दूर जाने के लिए, एसएमआर को कालप्रभावन जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली संयंत्रों के पुनर्प्रयोजन के लिए संस्थापित और प्रचालित किया जा सकता है। हालांकि, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को सभी परिस्थितियों में विकिरण को नियंत्रित रखने और जनता को उद्भासन से बचाने के लिए सख्त नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप संस्थापित और प्रचालित किया जाना है।

* * * * *